महत्वपूर्ण एवं खास

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से तीन की हुई मौत

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के कुआकोंडा थाना के ग्राम माखपाल में ग्रामीणों से भरी ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से तीन लोगों राजू तेलामी और रामा तेलामी सहित एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गयी है। मरने वालों में दो युवकों सहित एक बच्चा भी शामिल है। बताया जा रहा हैं कि ये हादसा तब हुआ जब ट्रेक्टर सवार 25 लोग शादी के कार्यक्रम से अपने घर लौट रहे थे, इसी दौरान कुआकोंडा थाना के ग्राम माखपाल में दुर्घटना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बड़े गुडरा के कुंजाम पारा में एक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए करीब 25 लोग ट्रेक्टर में सवार होकर गये थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस उसी ट्रेक्टर में घर लौट रहे थे। तभी माखपाल के पास उनकी ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर पलट गयी। हादसे में राजू तेलामी और रामा तेलामी सहित एक बच्चे की मौत हो गयी।

प्री मानसून वर्षा से शहर हुआ लबालब, 11, 12 को कुछ स्थानों में होगी भारी बारिश

रायपुर (आरएनएस)। वेस्ट होस्ट में मानसून के सक्रिय होते ही दक्षिण गुजरात से दक्षिण ओडिशा की ओर बन रही द्रोणिका के चलते बुधवार की रात को प्री मानसून बारिश जमकर हुई। सुबह तक गिरे पानी से जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वहीं आज भी राजधानी सहित प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की जाएगी। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार मानसून धीरे धीरे आगे बढ़ रहा है पश्चिम बंगाल की खाड़ी में अभी मानसून अटका हुआ है 11 और 12 जून को 40 से 50 किमी प्रतिघंटा रफ्तार से अंधड़ हवा चलने से बस्तर के रास्ते 11 एवं 12 जून को मानसून की दस्तक होते ही प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा होगी। इस बार मानसून की गति धीरे धीरे संपूर्ण प्रदेश को वर्षा जल से प्रभावित करेगी। आगामी 48 घंटों में प्रदेश के सभी स्थानों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने कबीरधाम जिले को 224.75 करोड़ रुपए की लागत के 754 कार्यों की सौगात दी

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने रायपुर निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में कबीरधाम जिले को 224.75 करोड़ रुपए की लागत के 754 कार्यों की सौगात दी। इसमें 98 करोड़ 73 लाख रूपए के 415 कार्यों का लोकार्पण और 126 करोड़ एक लाख रूपए के 339 कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इस अवसर पर गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रवींद्र चौबे, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, मुख्यमंत्री के सलाहकारद्वय प्रदीप शर्मा और रुचिर गर्ग, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ.एम.गीता उपस्थित थीं।

नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी,एक गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। डाटा एंट्री आपरेटर के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर दो लाख रूपये हड़पने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार सिद्धार्थ बंगानी उर्फ गब्बर नामक युवक के खिलाफ सालिक राम साहू ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके बेटे को डाटा एंट्री आपरेटर के पद पर कुरूद में नौकरी लगाने के नाम से कुल 2,00,000 रूपया लेकर धोखाधडी की। शिकायत बाद कार्रवाई नही होने पर कार्तिक ने इसकी शिकायत एसएसपी से कीक जिसके बाद आरोपी के खिलाफ थाना गोबरा नवापारा में धारा 420 के तहत अपराध दर्ज किया गया है तथा मामलें की जांच की जा रही है।

लघु वनोपज बनी वनवासियों की ताकतः मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री ने कबीरधाम और गरियाबंद जिले को 582 करोड़ रूपए की लागत के 1270 विकास और निर्माण कार्यों की दी सौगात

» विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा कर लिया फीडबैक

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जो लघु वनोपज किसी समय शोषण का जरिया थी, वे राज्य सरकार की योजनाओं से आज वनवासियों की ताकत बन गई हैं। राज्य सरकार ने वनवासियों को वन अधिकार पट्टा देने के साथ वनों के संसाधनों पर गांवों को भी अधिकार दिया है। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के साथ-साथ ग्रामीण और पंच-सरपंचों में भी इस योजना के माध्यम से अपनी पंचायत की आमदनी बढ़ाने के लिए उत्साह दिख रहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में गरियाबंद और कबीरधाम जिले में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन के वर्चुअल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए इस आशय के विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री बघेल ने दोनों जिलों को लगभग 582 करोड़ रूपए की लागत के 1270 कार्यों की सौगात दी। उन्होंने गरियाबंद जिले के लिए 357 करोड़ 23 लाख रूपए की लागत के 516 कार्यों का और कबीरधाम जिले में 224 करोड़ 75 लाख रूपए की लागत के 754 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया और दोनों जिलों में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा कर योजनाओं का फीड बेक लिया।

मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से चर्चा के बाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के गांवों को जैसा आकार देने की राज्य सरकार की सोच थी, हमारे गांव वैसा ही आकार ले रहे हैं। राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ रही है, खेतों के लिए पानी की व्यवस्था हो रही है, माता-बहनों और बच्चों को सुपोषण मिल रहा है और लोगों को रोजगार मिल रहा है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उनके सशक्तिकरण की परिकल्पना भी सुराजी गांव योजना से साकार हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में जब पूरे देश को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था, तब भी छत्तीसगढ़ के गांवों में हमारी बहनों ने उत्पादन किया और अच्छी आमदनी प्राप्त की। वनोपजों के संग्रहण से वनवासी नून-तेल का खर्च भी मुश्किल से निकाल पाते थें, वहीं बिचौलिए और बड़े-बड़े व्यापारी वनोपजों को खरीदकर लाखों कमाते थे। राज्य सरकार ने 52 प्रकार की वनोपजों को समर्थन मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था की पहले सिर्फ 7 प्रकार की वनोपजें ही समर्थन मूल्य पर खरीदी जाती थी। वनोपजों के संग्रहण के साथ प्रसंस्करण का काम भी महिला स्व-सहायता समूहों को दिया गया, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही है। छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक 2500 रूपए से बढ़ाकर देश में सबसे ज्यादा 4 हजार प्रति मानक बोरा कर दी गई है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों को उनकी फसल के लिए आदान सहायता मिल रही है, इस वर्ष योजना का विस्तार किया गया है। सुराजी गांव योजना में स्थापित गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट के साथ-साथ साग-सब्जी उत्पादन और विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से बड़ी संख्या में महिलाओं को कोरोनाकाल में भी रोजगार मिला है।

गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने इस अवसर पर कहा कि बेरोजगार युवाओं को निर्माण विभागों में रोजगार दिलाने के लिए उनका ई-श्रेणी में अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराया जाए। ई-श्रेणी में पंजीयन कराने वालों को ब्लॉक स्तर पर 20 लाख रूपए तक के निर्माण कार्य मेनुअल टेंडर पर देने का प्रावधान है। इसके साथ ही साथ काम शुरू करने के लिए ई-श्रेणी के पंजीयनधारियों को काम शुरू करने के लिए कार्य की लागत की 5 प्रतिशत राशि अग्रिम के रूप में देने का प्रावधान किया गया है।

व्यापार की वर्तमान समय-सीमा में वृद्धि करने के लिए जिला दंडाधिकारी रायपुर से चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल मिला

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी, कैट के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा ने बताया कि चेम्बर द्वारा जिला दंडाधिकारी रायपुर को पत्र प्रेषित कर वर्तमान में रायपुर जिले में कोरोना संक्रमण की दर नियंत्रण में है,जिसे देखते हुए रायपुर जिले के व्यापार की समय-सीमा में वृद्धि करने हेतु ज्ञापन सौंपा।

पारवानी ने कहा कि व्यापार में समय सीमा कम होने के कारण बाजारों में भीड़ होने से व्यापारियों एवं आम जनता को असुविधा हो रही है। बाजारों में वैवाहिक सीजन के चलते निरंतर लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है जिससे कोरोना संक्रमण बढ़ने की आशंका है। अतः व्यापारियों एवं आम जनता के हित में व्यापार की समय-सीमा में वृद्धि करने की मांग की गई।

लॉकडाउन की अवधि में व्यापारी वर्ग द्वारा शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों का पूरा पालन किया गया और आगामी दिनों में भी कोरोना रोकथाम हेतु जो भी निर्णय लिया जावेगा उसका पालन पूरी कड़ाई से व्यापारी वर्ग द्वारा किया जावेगा, साथ ही कोरोना महामारी रोकथाम रोकने हेतु जो भी जनजागरण अभियान शासन-प्रशासन द्वारा चलाया जायेगा उसमें व्यापारी वर्ग शासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेगा। प्रतिनिधि मंडल में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, उपाध्यक्ष-महेश दरयानी, मनोज कुमार जैन, मंत्री-निलेश मूंदड़ा एवं राम मंधान, सुभाष बजाज, कपिल दोशी, कांति पटेल, विपुल सोमानी, जयेश पटेल इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल थे।

महिला अपनी 5 लड़कियों के साथ ट्रेन के सामने कूदकर की आत्महत्या

» शराबी पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने लड़कियों के साथ उठाया कदम

महासमुंद (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में बड़ा हादसा हो गया। यहां एक ही परिवार के छह लोगों ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। जान देने वालों में एक महिला और उसकी 05 लड़कियां है। आत्महत्या का कारण मृतका का शराबी पति है जो आये दिन शराब के नशे में पत्नी व लड़कियों से विवाद कर मारपीट किया करता था।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महासमुंद के बेमचा में रहने वाला एक मजदूर परिवार के 6 लोगों की लाशें इमलीभाटा रेलवे ट्रेक के पास कटी अवस्था में मिली। पुलिस की प्रारंभिक जांच पर पता चला कि लाशें एक महिला और उसकी पांच लड़कियों की है जिनके नाम श्रीमती उमा साहू पति केजउ राम साहू 45 वर्ष, लड़कियां अन्पूर्णा साहू 18 वर्ष, यशोदा साहू 16 वर्ष, भूमिका साहू 14 वर्ष, कुमकुम साहू 12 वर्ष एवं तुलसी साहू 10 वर्ष है। बताया गया कि महिला एवं उसकी सभी बेटियों ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण लड़कियों का पिता व महिला का पति केजउ राम है जो शराब का आदी है। शराब के नशे में केजउ राम अक्सर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ विवाद कर मारपीट किया करता था। रोज-रोज की झगड़े व मारपीट की प्रताड़ना से तंग वे सभी तंग हो गये थे। 9 जून की रात करीब 7 बजे भी शराबी केजउ राम ने शराब के नशे में झगड़ा कर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ मारपीट की। जिसके बाद वे सभी रात को ही घर से आत्महत्या करने के लिए निकल पड़े। सभी इमलीभाटा रेलवे ट्रेक पहुंचे और यहां ट्रेन का इंतजार करने लगे। इस रूट से रात करीब 10 बजे एक ट्रेन जैसे ही वहां से गुजरने लगी। वे सभी पटरियों पर लेट गये, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने सभी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

गोधन न्याय एक ऐसी योजना, जिसके अनेक लाभ - मुख्यमंत्री

» गौठान समितियों, स्व सहायता समूहों और गोबर विक्रेताओं को 3.07 करोड़ की राशि अंतरित

» गोधन सुपर कम्पोस्ट मोबाईल एप लोकार्पित

» गोबर विक्रेताओं को अब तक 95.94 करोड़ रूपए का भुगतान

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गौठान समितियों, स्व सहायता समूहों एवं गोबर विक्रताओं के खाते में 3 करोड़ 7 लाख 18 हजार रूपए की राशि अंतरित की। अंतरित राशि की गई इस राशि में गौठान समितियों और स्व सहायता समूहों का 2 करोड़ 45 लाख रूपए का लाभांश शामिल है। गोधन न्याय योजना के अंतर्गत अब तक गौठानों में क्रय किए गए गोबर के एवज में 95 करोड़ 94 लाख रूपए का भुगतान किया गया है, जिससे एक लाख 68 हजार 531 पशुपालक किसान एवं ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में गोधन न्याय योजना की सफलता के लिए इस योजना के क्रियान्वयन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से भागीदार सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोधन सुपर कम्पोस्ट मोबाइल एप का भी लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि गोधन न्याय एक ऐसी योजना है, जिसके कई लाभ हैं। यह योजना समाज के सभी वर्गों एवं लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। गोधन न्याय योजना से पशुधन का संरक्षण और संवर्धन, फसल एवं पर्यावरण की सुरक्षा, गोबर विक्रय से ग्रामीण और पशुपालकों को आय, वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट एवं अन्य उत्पाद के निर्माण से महिला स्व सहायता समूहों को रोजगार एवं आय का जरिया तथा जैविक खेती को प्रोत्साहन मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट खाद के उपयोग से खाद्यान्न की गुणवत्ता एवं उर्वरा शक्ति में सुधार और खेती की लागत में कमी आ रही है, जिसका लाभ किसानों को मिलने लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट का खेती-किसानी में प्रयोग के बेहतर परिणाम देखने और सुनने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो डेयरी व्यवसाय संचालन अथवा गौपालन करना चाहते हैं, उनके लिए गोधन न्याय योजना के कारण यह अब आसान हो गया है, क्योकि गोबर के विक्रय से उन्हें अतिरिक्त लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में निर्मित समस्त गौठानों के संचालन के लिए समितियों का गठन एवं उन्हें सक्रिय करने के निर्देश दिए, ताकि इसका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सक्रिय गौठानों में गोबर खरीदी से ग्रामीण और पशुपालकों की आय बढ़ी है, जिससे उनके लिए दैनिक जीवन में उपयोगी सामग्रियों को क्रय करना आसान हुआ है। इस अवसर पर कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि गोधन न्याय योजना की पूरे देश में चर्चा है। पार्लियामेंट कमेटी ने केन्द्र सरकार से इस योजना को लागू करने की अनुशंसा की है।

सरपंच पति को ब्लैकमेल करने वाले दो गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। सरपंच पति का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने वाले इंटक कांग्रेस के कथित पदाधिकारियों को शिकायत के बाद खरोरा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है, वहीं मामलें में अन्य आरोपी फरार है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम कनकी के सरपंच पति तोमलाल वर्मा का वीडियो बनाकर अपने आप को इंटक कांग्रेस का पदाधिकारी बताते हुए कुछ लोग वीडियो को वायरल करने की धमकी दे रहे थे। सरपंच पति ने इस मामले की शिकायत खरोरा थाने में दर्ज करवाई। शिकायत के बाद पुलिस ने पहले 8 जून को नीतीश गोंड पिता हरेंद्र गोंड को गिरफ्तार किया। इसके बाद 9 जून को सचिन गौतम को गिरफ्तार किया है। मामलें में पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 294, 506, 384, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। बातया जाता है कि अपने आप को इंटक कांग्रेस का प्रदेश उपाध्यक्ष बताने वाले सचिन गौतम के खिलाफ कबीर नगर थाने में 2 एक्सटार्शन के मामले पहले से ही दर्ज हैं। वहीं मामलें में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

अगवा आत्मसमर्पित रामकृष्ण नक्सलियों के कब्जे से भागकर पहुंचा थाने

» बासागुड़ा से 6 जून को नक्सलियों ने किया था आत्मसमर्पित रामकृष्ण का अपहरण

बीजापुर (आरएनएस)। जिले के बासागुड़ा इलाके से बीते 06 जून को नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पित रामकृष्ण मरकाम का अपहरण कर लिया था। जिसके बाद रामकृष्ण को नक्सली अपने जंगल ठिकाने ले गये और बंधक बनाकर रखा, 09 जून की रात नक्सलियों के संत्रियों को चकमा देकर रामकृष्ण नक्सलियों के ठिकाने से भागने में कामयाब रहा। रामकृष्ण मरकाम नक्सलियों के ठिकाने से भागने के बाद पूरी रात जंगली रास्तों से चलते हुए जगरगुंडा थाने पहुंच गया।

मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित नक्सली रामकृष्ण मरकाम आत्मसमर्पण के बाद से सुरक्षाबलों के लिए गोपनीय सैनिक का काम करता था, और इसी दौरान किसी नक्सली ने रामकृष्ण से आत्मसमर्पण करने सम्पर्क किया जिसके लिए रामकृष्ण को बासागुड़ा के ही एक पारा में बुलाया गया जहां पहले से ही पांच से छः नक्सली मौजूद थे, जैसे ही रामकृष्ण मौके पर पहुंचा वैसे ही रामकृष्ण का हाथ बांधकर नक्सली उसे अपने साथ ले गए वहीं रामकृष्ण की मोटर साइकिल भी नक्सली अपने साथ ही ले गए थे। जो अब भी नक्सलियों के ही पास है

प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने अपहरण के बाद रामकृष्ण को मंडीमरका गांव में रखा था, जहां नक्सलियों की जगरगुंडा एरिया कमेटी का कमांडर जगदिश द्वारा रामकृष्ण को 11 जून को मौत की सजा देने का ऐलान किया था। बुधवार की देर रात रामकृष्ण को भागने का मौका मिल गया, जंगल रास्ते पूरी रात चलकर गुरूवार की सुबह 11 बजे वह जगरगुंडा थाने पहुंचा जहां रामकृष्ण ने स्वयं का परिचय दिया और आपबीती जवानों को बताई पूरे मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई जिसके बाद अधिकारियों के निर्देश पर रामकृष्ण से पुछताछ की गई और पुरे घटनाक्रम की जानकारी ली गई। नक्सलियों के चंगुल से भागकर वापस लौटा रामकृष्ण पुरी तरह स्वस्थ बताया गया है, जिसे जगरगुंडा थाने में ही रखा गया है।

4 माओवादी नक्सली सदस्यों ने नारायणपुर पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर (आरएनएस)। सुन्दरराज पी., पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज, विनीत खन्ना, उप पुलिस महानिरीक्षक कांकेर रेंज, मोहित गर्ग, पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, नीरज चंद्राकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला बल, छसबल, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ द्वारा लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के कारण नक्सलियों पर बढ़ते दबाव एवं शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर माओवादी संगठन को छोड़कर समाज के मुख्यधारा में सम्मिलित होने 04 नक्सली सदस्यों ने आज दिनांक-10.06.2021 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मोहित गर्ग, पुलिस अधीक्षक नारायणपुर के समक्ष बिना हथियार आत्म समर्पण किये है।

आत्मसर्पित करने वाले नक्सलियों की सक्रियता एवं कार्यक्षेत्र-

01- कमलू ध्रुवा पिता गोगा उम्र 27 वर्ष जाति माड़िया निवासी धुरबेड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर (धुरबेड़ा पंचायत मिलिशिया सदस्य):- वर्ष 2016-17 में नक्सली कमाण्डर दिनेष उर्फ पण्डी ने धुरबेड़ा पंचायत मिलिषिया सदस्य के रूप में शामिल किया तब से सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था।

02- मालू ध्रुवा पिता स्व. पण्डरू ध्रुवा, उम्र 32 वर्ष, जाति माड़िया, निवासी धुरबेड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर (धुरबेड़ा पंचायत मिलिशिया सदस्य):- वर्ष 2016-17 में नक्सली कमाण्डर दिनेष उर्फ पण्डी ने धुरबेड़ा पंचायत मिलिषिया सदस्य के रूप में शामिल किया तब से सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था।

03- राकेष उसेण्डी पिता टुगेराम, उम्र 18 वर्ष, जाति माड़िया, निवासी गट्टाकाल, थाना ओरछा जिला नारायणपुर (धुरबेड़ा पंचायत मिलिषिया सदस्य):- वर्ष 2018-19 में नक्सली कमाण्डर दिनेष उर्फपण्डी ने धुरबेड़ा पंचायत मिलिषिया सदस्य के रूप में शामिल किया तब से सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था।

04- हिड़मे कवाची पिता महंगू राम, उम्र 20 वर्ष जाति माड़िया निवासी डेंगलपुट्टी पारा गोमागाल थाना धनोरा जिला नारायणपुर (गोमागाल पंचायत मिलिषिया सदस्य):- नक्सली कमाण्डर बुदरू, सोमडू एवं गोमागाल जनताना सरकार अध्यक्ष प्रमोद ने वर्ष 2017-2018 में गोमागाल पंचायत मिलिशिया सदस्य के रूप मे शामिल किये तब से सक्रिय रूप से कार्य कर रही थी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं० 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु० सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐक्ता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथ्य में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिको के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU